पाठ 18. सरपट दौड़ी मेरी गाड़ी

पाठ का परिचय

साझापुर गाँव में बनी सूत की वस्तुएँ लेकर नवल हर वर्ष शहर जाता था। इस वर्ष जब नवल ने शहर में प्रवेश किया तो उसे कुछ बदलाव दिखाई दिया। इस बार शहर में घुसने पर न उसकी आँखें जलीं और न ही उसे साँस लेने में बाधा आई। ड्राइवर से बात करने पर पता चला कि यह तो सीएनजी का कमाल है। ड्राइवर ने नवल को सीएनजी के बारे में पूरी जानकारी दी। गाँव लौटकर नवल ने भी गाँव में वाहनों को सीएनजी से चलवाने के लिए दौड़-धूप की। अंततः गाँव में एक सीएनजी पंप लगाया गया। सबसे पहले नवल ने अपनी माल ढोने वाली गाड़ी में सीएनजी किट लगवाई। धीरे-धीरे सारा गाँव इस ओर आगे बढ़ा।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

बढ़ते प्रदूषण को रोकना हम सभी का कर्तव्य है। इस ओर हम सभी को प्रयत्न करने हैं, वरना एक समय ऐसा आएगा कि साँस लेना भी दूभर हो जाएगा। पर्यावरण को प्रदूषण से बचाना हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए।

पाठ का वाचन

पहले अध्यापक/अध्यापिका पाठ का आदर्श वाचन करें। उसके बाद बच्चों से इसका उच्चारणसहित वाचन करवाएँ। बीच-बीच में बच्चों से प्रश्न पूछें। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। उन शब्दों से वाक्य बनाएँ व बच्चों से भी वाक्य बनवाएँ।

महत्वपूर्ण चर्चा

बच्चों से निम्न प्रश्न पूछकर चर्चा करें –

- प्रदूषण कैसे फैलता है?
- वाहनों से प्रदूषण कैसे फैलता है?
- क्या सीएनजी लगवाने से वाहनों से प्रदूषित हवा निकलनी बंद हो जाती है?
- क्या उनके घर में जो वाहन हैं उनमें सीएनजी किट लगी है?